



हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट, भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 18/01/2024

दैनिक प्रेस क्लिप





आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	The Pioneer	Order receipt related news	03
02	Free Press	Order receipt related news	04
03	Raj Express	Order receipt related news	05
04	Dainik Jagran	Order receipt & production related news	06
05	Patrika	TAD related news	07
06	Patrika	Employee incentive related news	08
07	Swadesh	Employee incentive related news	09



Publication Date-	18.01.2024	The Pioneer
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

BHEL gets prestigious order at Jharsuguda

STAFF REPORTER ■ BHOPAL

Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) has won a prestigious order, under International Competitive Bidding (ICB), for setting up a 3x800 MW pithead, greenfield Thermal Power Project, on Engineering, Procurement and Construction (EPC) basis, at Jharsuguda District in Odisha. Significantly, this is the largest power sector order won by BHEL through competitive bidding.

Reposing confidence in BHEL's technological and project execution capabilities, NLC India Limited (NLCIL) has entrusted BHEL with the contract for setting up the 2400 MW coal-based thermal power project with supercritical parameters. The comprehensive scope of the EPC contract includes engineering, manufacturing, supply, erection, and commissioning of

crucial equipment such as boilers, turbines, generators, and other auxiliary systems for the 3x800 MW Thermal Power Project. The scope also includes boilers with biomass co-firing capability and highly efficient latest pollution control equipment to control SOx, NOx & particulate matter emissions for meeting MoEF&CC guidelines. The project will be commissioned within 64 months. On commissioning, this plant will contribute in meeting the future base load requirement of electricity in the country.

The major equipment will be manufactured at BHEL's Trichy, Haridwar, Hyderabad, Jhansi, Bengaluru, Ranipet, Bhopal, Rudrapur, and Varanasi plants, while the company's Power Sector - Southern Region will be responsible for the civil works, and erection and commissioning of the equipment.

BHEL has a long-standing

partnership with NLCIL and has installed a significant 77% of the coal/lignite-based power stations of the Utility, totalling to 3,590 MW. These include lignite-based sets of 125 MW, 210 MW, 250 MW & 500 MW ratings.

BHEL is the largest manufacturer of power generation equipment in the country and has been a major partner in the country's vision to achieve self-reliance in energy. The company is the market leader in both the subcritical as well as the supercritical segments in the country. With this order, BHEL has secured orders for 65 supercritical Steam Generators (SG) and 60 supercritical Steam Turbine Generators (STG) - the highest in the country by any power equipment manufacturer. BHEL is fully geared to meet India's future growing demand for power equipment with its state-of-the-art technology.

Publication Date-	18.01.2024
Page no.-	14
Journalist-	N. Delhi Bureau

Free Press

BHEL gets 2,400 MW greenfield power project from NLC India in Odisha

PTI / New Delhi

State-owned BHEL on Wednesday said it has bagged an order to set up a 2,400 MW supercritical thermal power project (STPP) from coal PSU NLC India Ltd.

This is the largest power sector order won by the company through competitive bidding, BHEL said in a statement.

"BHEL bags an order for setting up a 2,400 MW Supercritical Thermal Power Project. BHEL has won the prestigious order under International Competitive Bidding (ICB) for the greenfield project on an Engineering, Procurement and Construction (EPC) basis at Jharsuguda in Odisha," the company said.

The scope of the EPC contract



includes engineering, manufacturing, supply, erection, and commissioning of crucial equipment, such as boilers, turbines, generators, and other auxiliary systems, for the 3x800 MW thermal power project.

The scope also includes boilers with biomass co-firing capability and highly efficient latest pollution control equipment. The project will be commissioned within 64 months. On commissioning, this plant will contribute to meet-

ing the future base load requirement of electricity in the country.

The major equipment will be manufactured at BHEL's Trichy, Haridwar, Hyderabad, Jhansi, Bengaluru, Ranipet, Bhopal, Rudrapur, and Varanasi plants while the company's power sector -southern region will be responsible for the civil works, and erection and commissioning of the equipment.

BHEL has a long-standing partnership with NLCIL and installed a significant 77 per cent of the coal/lignite-based power stations of the utility, totalling 3,590 MW. It is the largest manufacturer of power generation equipment in the country and has been a major partner in the country's vision to achieve self-reliance in energy.

Publication Date-	18.01.2024	Raj Express
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	



Publication Date-	18.01.2024
Page no.-	04
Journalist-	Bhopal Bureau

Dainik Jagran

भेल भोपाल में भी होगा ऑर्डर से जुड़ा काम

भेल। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को नर्वरत कंपनी एनएलसी से बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर 2400 मेगावाट के थर्मल पावर प्रोजेक्ट को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक, एनएलसी ने 2400 मेगावाट के थर्मल पावर प्रोजेक्ट का ऑर्डर बीएचईएल को दिया है। यह ऑर्डर इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन से जुड़ा है।

इसके उपकरण भेल के त्रिची, हरिद्वार, हैदराबाद, झांसी, बेंगलुरु, रानीपेट, भोपाल, रुद्रपुर और वाराणसी प्लांट में तैयार किए जाएंगे। अगले 64 महीने में इस प्रोजेक्ट की कमीशनिंग होनी है। यह ऑर्डर 15000 करोड़ रुपये के करीब का बताया जा रहा है।

इन राज्यों को सप्लाई होगी बिजली : इस प्रोजेक्ट से पैदा होने वाली पूरी 2400 मेगावाट बिजली तमिलनाडु, ओडिशा, कर्नाट और पुद्दुचेरी को सप्लाई की जाएगी। इस संबंध में बिजली खरीद समझौते (PPA) पहले ही किए जा चुके हैं। इस प्रोजेक्ट की पहली यूनिट के चित्त वर्ष 2028-29 में शुरू होने की उम्मीद है।

64 महीने की टारगेटेड समय सीमा में पूरा करना होगा प्रोजेक्ट

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को 64 महीने की टारगेटेड कमीशनिंग समय सीमा के साथ चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा। भारत भर में भेल के विविध मैज्यूफैरिंग प्लांट आवश्यक उपकरण पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह प्रोजेक्ट बीएचईएल की विशेषज्ञता को न केवल मजबूत करता है, बल्कि भारत के ऊर्जा बुनियादी ढांचे के लक्ष्यों का समर्थन करने की उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एनएलसी तालाबीरा थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्वच्छ और विश्वसनीय बिजली प्रदान करने, क्षेत्र के विकास में योगदान देने और भारत में बिजली समाधान के अग्रणी प्रदाता के रूप में बीएचईएल की स्थिति को मजबूत करता है।

Publication Date-	18.01.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	

पिपलानी थाने के पीछे की बस्ती के लोग छोड़ रहे घरों का सीवेज भेल में पर्यटन का केंद्र रही सारंगपाणी झील, अब बन गयी है सीवेज टैंक

**पत्रिका
ग्राउंड
रिपोर्ट**

भेल © पत्रिका बीएचईएन टाउनशिप को एक मात्र सारंगपाणी झील का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त होना जा रहा है। राजधानी के लोग लैन्डिंग से भेल क्षेत्र के इस झील को भी निचली होती थी। यह बीएचईएन टाउनशिप और पहा के लोगों के लिए शान माने जाती थी, लेकिन बीजुय समय में यह अपने अस्तित्व से जुड़ रही है। पिपलानी थाने के पीछे बसी झुपडी बस्ती के साथ ही भेल टाउनशिप के कार्पोरेशन और नालों का पूरा गंदा पानी और सीवेज इसी झील में जा रहा है। यहां साफ-सफाई के इलाक़ यह है कि घाटी पर कपड़े का ढेर लपेट है। झील में हरी बरछा और कटोरे का अंकिता है। समय रहते भेल प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो भेल को इस छोटी-सी का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

गौरवनाथ है कि बीएचईएन टाउनशिप बस्ती के बाद सारंगपाणी झील को इस क्षेत्र का पर्यटन स्थल बना जाता था। यहां भेल में कार्पोरेशन अधिकारी, कर्मचारियों के परिवार के अलावा बाहर के लोग भी आते थे। इसका नाम भेल के पहले कार्पोरेटर के नाम पर सारंगपाणी झील पड़ा था। दिन में तीन बजे के बाद पहा पर लोगों का ताता लग जाता था। देर शाम तक बस्ती भी खोल फाले थे। धीरे-धीरे अधिकारी बस्ती, दुष्का जगह के अभाव में झील की सफाई दोन बंद हो गई। काफी समय से झील की सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। झील के किनारे पर गंदी का ढेर है।

बुधों की बस्ती से सारंगपाणी झील में गंदले पतले का ठेका दिया गया है। लेकिन इसकी साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और न ही इसमें मिलने वाली गंदे रोक्ने जा रही है।

झील के गंदे पानी में धोते हैं कपड़े

सारंगपाणी झील का पानी इतना गंदा हो चुका है कि इसे सीवेज टैंक बनाना अनिवार्य बन गया। यहां झील के किनारे बसी झुपडी बस्ती के साथ ही टाउनशिप के कार्पोरेशन और घाटी के गंदे पानी और सीवेज नाली के माध्यम से इसी झील में जाता है। झील के पहा से उठने वाली बरछा और गंदी के कारण पहा में गंदे का बड़ा झील भुविगत होता है, लेकिन कुछ लोगों द्वारा इसी पानी से कपड़े धोकर धोखापाट जा रहे हैं। इससे घर-घर लोगों में बीमारियां फैलने का डर बन रहा है।




Publication Date-	18.01.2024	Patrika
Page no.-	01	
Journalist-	Bhopal Bureau	



Publication Date-	18.01.2024	Swadesh
Page no.-	04	
Journalist-	Bhopal Bureau	

नई प्रोत्साहन योजना मजदूर विरोधी, किया बुलेटिन जारी

भोपाल। बीएचईएल कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा नई इंसेंटिव स्कीम लागू किए जाने के बाद भेल के कई युनिटों में इसका विरोध किया जा रहा है। भोपाल युनिट में सीटू यूनियन ने नई इंसेंटिव स्कीम को मजदूर विरोधी बताकर इंसेंटिव स्कीम के खिलाफ बुलेटिन जारी कर विरोध दर्ज कराया। सीटू यूनियन के अध्यक्ष लोकेंद्र शेखावत ने कहा कि पुरानी इंसेंटिव स्कीम में कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि टी 3 जोड़कर 6000 तक का भुगतान किया जाता था, जबकि नई इंसेंटिव स्कीम में प्रोत्साहन राशि व टी-3 जोड़कर अधिकतम 3200 का ही भुगतान किए जाने का निर्णय हुआ है। इस इंसेंटिव स्कीम की बैठक में भोपाल इकाई से हेयू बीएमएस की तरफ से एक कर्मचारी प्रतिनिधि व भेक्टू सीटू की ओर से यूनियन के अध्यक्ष लोकेंद्र शेखावत शामिल हुए। एचएमएस व इंटक यूनियन की ओर से भोपाल इकाई के बजाय भेल की दूसरी इकाईयों से कर्मचारी प्रतिनिधि शामिल हुए। बीएमएस व इंटक यूनियन ने नई इंसेंटिव स्कीम पर हस्ताक्षर कर सहमति प्रदान किया, वहीं भेक्टू सीटू यूनियन ने मिनिमम 8000 की प्रोत्साहन राशि दिए जाने की मांग को लेकर इस इंसेंटिव स्कीम पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया।